

उद्यमकर्तारों में परिचालित कर दिया गया था। तब से, इसमें दिलचस्पी रखने वाले भारतीय पक्ष सम्बद्ध देशों के व्यवसाय सहयोगियों से बातचीत कर रहे हैं। यूगांडा चीनी-प्रायोजना के सम्बन्ध में भारत सरकार अभी यूगांडा सरकार के अन्तिम उत्तर की प्रतीक्षा कर रही है।

Export of Trucks

5740. SHRI K. LAKKAPPA :
DR. SUSHILA NAYAR :
SHRI MAHANT DIGVIJAI
NATH :

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under consideration of Government to boost export of Indian made (Tata made) trucks to foreign countries ;

(b) whether any agreement has been signed with any foreign country ;

(c) if so, the names of those countries and the number of trucks likely to be exported ; and

(d) the amount of foreign exchange likely to be earned thereby ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) It is the policy of Government to boost exports of all engineering goods including trucks.

(b) to (d). It is understood that an Indian firm has secured the following order for supply of trucks :

Country	No. of Trucks	Value
U.A.R.	355 Tata Mercedes-Benz vehicles	Rs. 189.39 lakhs
Qatar	5 trucks	Rs. 1.8 ..

Modernisation of Textile Mills

5741. SHRI R. K. AMIN : Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a suggestion has been made to link the reduction in the excise duty on textiles with the renovation or modernisation of equipment of textile units ; and

(b) if so, the reaction of Government thereto ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Yes, Sir.

(b) It has not been possible for Government to accept the suggestion.

वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में हिन्दी का प्रयोग

5742. श्री भोलू प्रसाद : क्या वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राज भाषा अधिनियम के अनुसरण में तथा इस अधिनियम के अधीन गृह-कार्य मंत्रालय द्वारा जारी किये आदेशों के अनुसार, उनके मंत्रालय ने (1) अपने सभी प्रकाशनों को हिन्दी में प्रकाशित करने, (2) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं को हिन्दी में लिखने, (3) बड़े हुए अनुवाद कार्य को देखते हुए अतिरिक्त अनुवादकों तथा हिन्दी टाइपिस्टों की नियुक्ति के लिये अतिरिक्त धनराशि का नियतन कराने, (4) हिन्दी प्रशिक्षण योजना के अधीन दिनांक 1 जनवरी, 1961 को 45 वर्ष तक की अ.यु. वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को हिन्दी सिखाने के लिये कार्यक्रम तैयार करने, (5) हिन्दी जानने वाले कर्मचारियों के लिये सरकारी